IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

# उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में कोरोना काल में डिजिटल इंडिया में कैशलेस ट्रांजेक्शन (एप्स) के प्रति जागरूकता का अध्ययन

निर्देशिका
डॉ. मिनाक्षी शर्मा
व्याख्याता

प्रस्तुतकर्त्री
सुमन राठौड़
एम.एड.छात्रा

**सारांश –**

प्रस्तुत शोध कार्य कोरोनाकाल में विद्यार्थियों की डिजिटल इंडिया में कैशलेस ट्रांजेक्शन (एप्स) के प्रति जागरूकता से संबंधित है इसके अंतर्गत ई–वालेट एप्स के उपयोग व जानकारी को बताया गया है। जिससे कि लोगों को किसी भी प्रकार का सामान खरीदने के लिए बाहर नहीं जाना पड़े। बल्कि वे कैशलेस ट्राजेक्शन के माध्यम से घर बैठे ही अपने कार्य को आसानी से कर सके। इसके लिए वे मोबाइल में ई–वॉलेट एप्स के माध्यम से भीम एप को डाउनलोड करके आसानी से पैसों का लेन–देन कर सकते है तथा इसके उपयोग व जानकारी के माध्यम से दैनिक जीवन के सम्पूर्ण कार्य आसानी से कर सकते है।

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्त्री द्वारा सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है और आंकड़ों के संग्रहण हेतु स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया है। न्यादर्श के रूप में जयपुर शहर के निजी व सरकारी विद्यालय के 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि कोरोन काल में डिजिटल इंडिया में कैशलेस ट्राजेक्शन (एप्स) के प्रति जागरूकता में शहरी विद्यार्थियों का रूझान ग्रामीण विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक पाई गई है।

**प्रस्तावना –**

भारत में विमुद्रीकरण (नोटबंदी) से पहले कैशलेस पेमेंट कोई बड़ा मुद्दा नहीं था। आम लोगों के बीच न तो इसका प्रचलन था और ही इसके प्रति जिज्ञासा और उत्साह। व्यावसायी वर्ग क्रेडिट कार्ड या फिर डेबिट कार्ड का उपयोग कैशलेस लेन–देन के लिए जरूर कर रहे थे। इसलिए कैशलेस ट्रांजेक्शन को बढ़ाने का प्रयास किया गया।

कालेधन, भ्रष्टाचार, जाली मुद्रा और आतंक के वित्त पोषण से निपटने के लिए, सरकार ने 8 नवम्बर 2016 को 500 और 1000 रूपये के नोटों पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया इसके बाद बैंकों और एटीएम से निकासी पर अधिकतम रोक लगाई गई।

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसमें भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास किया गया।

कैशलेस ट्रांजेक्शन आज कल सबसे ज्यादा उपयोग होने वाला माध्यम हो गया है। यह एक ई–पेंमेट सर्विस है। जिसका उपयोग आनलाइन पेमेंट के लिए होता है या अगर और आसान भाषा में कहे तो कैशलेस ट्रांजेक्शन एक ऐसी सर्विस है जिसके द्वारा आप बिना बैंक में जाये अपने खाते से किसी को पैसे भेज सकते है। किसी से पैसे ले सकते है।

**समस्या का औचित्य –**

कैशलेस ट्रांजेक्शन करने के लिए मूल आवश्यकता है, सिम कार्ड सक्रिय होना, फीचर फोन, मोबाइल फोन या स्मार्ट फोन होना चाहिए। डिजिटल भुगतान का मतलब इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है जो ऑन–लाइन सेवा को संदर्भित करता है जो किसी व्यक्ति को इलेक्ट्रॉनिक लेन–देन करने की अनुमति देता है। इसका एक डिजिटल अस्तित्व है यह एक प्रकार का इलेक्ट्रानिक कार्ड होता है। इसका मुख्य उद्देश्य कागज रहित धनराशि स्थानातंरण को अधिक आसान बनाना है।

**तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण –**

**डिजिटल इंडिया –**

डिजिटल इंडिया भारत सरकार की एक पहल है जिसके तहत सरकारी विभागों को देष की जनता से जोड़ना है।

**कैशलेस ट्रांजेक्शन –**

यह एक ई–पेंमेट सर्विस जिसका उपयोग ऑनलाइन भुगतान के लिए होता है या अगर और आसान भाषा में कहे तो कैशलेस ट्रांजेक्शन एक ऐसी सर्विस है जिसके द्वारा आप बिना बैक में जाये अपने अकाउन्ट से किसी को भी पैसे भेज सकते है और किसी से भी ले सकते है।

**ई–वॉलेट (एप्स) –**

डिजिटल वॉलेट पेंमेट यानि भुगतान करने का सबसे नया और आसान तरीका है। नोटबंदी से पहले पेंमेट का यह तरीका उतना प्रचलन में नहीं है हालांकि पेटीएम जैसे मोबाइल से पेंमेट करने की सेवा देने वाले एप्स वजूद में थे।

**शोध के उद्‌देश्य –**

1 उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का डिजिटल इंडिया में कैशलेस ट्रांजेक्शन के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।

2 उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का डिजिटल इंडिया में कैशलेस ट्रांजेक्शन योजना की उपयोगिता का अध्ययन करना।

3 उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का डिजिटल इंडिया में कैशलेस ट्रांजेक्शन के प्रकारों के प्रति जानकारी का अध्ययन करना।

4 उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का डिजिटल इंडिया में कैशलेस ट्रांजेक्शन के विभिन्न एप्स के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।

**शोध के परिकल्पना –**

1. उच्च माध्यमिक स्तर के ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों में कैशलेस ट्रांजेक्शन में ई–वॉलेट के प्रति जागरूकता में अंतर नहीं है।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों में कैशलेस ट्रांजेक्शन में ई–वॉलेट के प्रकारों की जानकारी के प्रति अंतर नहीं है।
3. उच्च माध्यमिक स्तर के ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों में कैशलेस ट्रांजेक्शन में

ई–वॉलेट के प्रति उपयोगिता में अंतर नहीं है।

4. उच्च माध्यमिक स्तर के ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों में कैशलेस ट्रांजेक्शन में ई–वॉलेट के विभिन्न एप्स के प्रति जानकारी में अंतर नहीं है।

**शोध की विधि –**

किसी भी शोध कार्य को पूरा करने के लिए शोधार्थी का प्रमुख उद्देश्य समस्या का हल ढूंढना है। वर्तमान समय में शोध कार्य हेतु अनेक शोध विधियों का अध्ययन किया जाता है। प्रस्तुत शोध के लिए सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया है।

**जनसंख्या –**

प्रस्तुत अध्ययन में जयपुर जिले के निजी व सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में चयन किया गया है।

**शोध में प्रयुक्त न्यादर्श –**

प्रस्तुत शोध कार्य 100 विद्यार्थियों का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि से किया गया है।

**शोध में प्रयुक्त उपकरण –**

शोधकर्त्री द्वारा उपकरण के रूप में स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

**सांख्यिकीय प्रविधियाँ –**

प्रस्तुत शोध कार्य में सांख्यिकी के रूप में प्रतिशत का प्रयोग किया गया है।

**शोध का परीसीमांकन –**

1 क्षेत्र – यह अध्ययन जयपुर क्षेत्र के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र तक ही सीमित किया गया है।

2 स्तर – यह अध्ययन केवल उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों तक ही सीमित किया गया है।

3 लिंग – यह अध्ययन छात्र–छात्राओं दोनों पर किया गया है।

4 न्यादर्श – इस अध्ययन के लिए 100 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के रूप में कर अध्ययन उन तक सीमित किया गया है।

**आँकड़ों का विश्लेषण –**

**परिकल्पना – उच्च माध्यमिक स्तर के शहरी व ग्रामीण विद्यार्थियों में कैशलेस ट्रांजेक्शन में ई–वॉलेट के प्रति उपयोगिता में अंतर नहीं पाया जाता है।**

| क्र.सं. | समूह | संख्या | माध्य |
|---|---|---|---|
| 1 | ग्रामीण | 50 | 61.33 |
| 2 | शहरी | 50 | 49.53 |

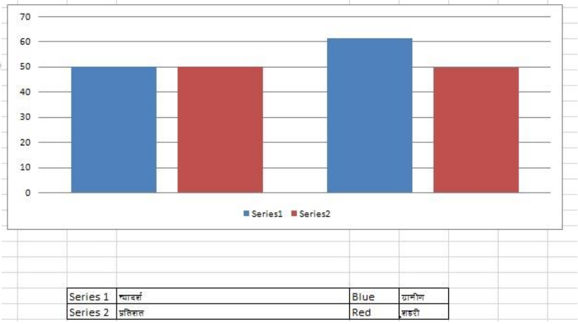


उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के ग्रामीण विद्यार्थियों में कैशलेस ट्रांजेक्शन में ई–वॉलेट संबंधी उपयोगिता का प्रतिषत 61.33 प्रतिशत है तथा शहरी विद्यार्थियों में कैशलेस ट्रांसेक्शन में ई–वॉलेट संबंधी उपयोगिता का प्रतिशत 49.55 प्रतिशत है।

सारणी संख्या 4

परिकल्पना – उच्च माध्यमिक स्तर के शहरी व ग्रामीण विद्यार्थियों में कैशलेस ट्रांजेक्शन में ई–वॉलेट के विभिन्न एप्स के प्रति उपयोगिता में अंतर नहीं पाया जाता है।

| क्र.सं. | समूह | संख्या | माध्य |
|---|---|---|---|
| 1 | ग्रामीण | 50 | 64.2 |
| 2 | शहरी | 50 | 55.8 |

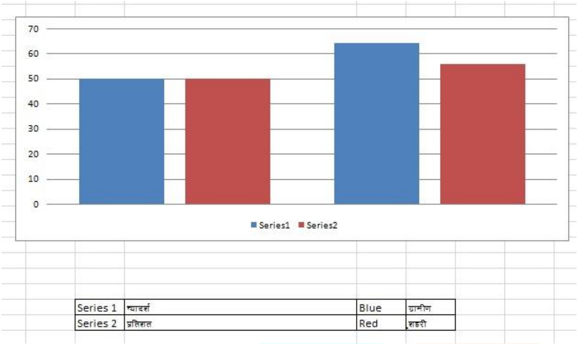


उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के ग्रामीण विद्यार्थियों में कैशलेस ट्रांजेक्शन में ई–वॉलेट संबंधी विभिन्न एप्स के प्रति जानकारी का प्रतिशत का प्रतिशत 64.2 प्रतिशत है तथा शहरी विद्यार्थियों में ई–वॉलेट संबंधी विभिन्न एप्स के प्रति जानकारी का प्रतिशत 55.8 प्रतिशत है।

## शोध निष्कर्ष –

- उच्च माध्यमिक स्तर के ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों में कैशलेस ट्रांजेक्शन में ई–वॉलेट के प्रति उपयोगिता में अंतर नहीं पाया जाता है। इसका संभवत कारण है कि शहरी विद्यार्थियों में ई–वॉलेट की उपयोगिता अधिक पाई जाती है जबकि संसाधनों के अभाव में ग्रामीण विद्यार्थियों में ई–वॉलेट की उपयोगिता कम पाई जाती है।
- उच्च माध्यमिक स्तर के ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों में कैशलेस ट्रांजेक्शन में ई–वॉलेट के विभिन्न एप्स के प्रति जागरूकता में अंतर नहीं पाया जाता है। इसका संभवत कारण है कि इसके विभिन्न एप्स जैसे भीम, पेटीएम, तेज, वोडामनी इत्यादि के दैनिक जीवन में उपयोग के कारण सामान्य जानकारी रखते है।

## शैक्षिक निहितार्थ –

### शिक्षकों के लिए उपयोगिता –

- प्रस्तुत शोध शिक्षकों के लिए कैशलेस ट्रांजेक्शन के प्रति सजग कर सकेंगे।
- शिक्षक कैशलेस ट्रांजेक्शन के लाभ व हानि को दैनिक जीवन में उपयोग में लाने हेतु बता सकेंगे।

### विद्यार्थियों के लिए उपयोगिता –

- कैशलेस ट्रांजेक्शन के माध्यम से विद्यार्थियों को जिज्ञासु बनाया जा सकता है।
- विद्यार्थियों को ई–वॉलेट के प्रति जागरूक किया जा सकता है।
- विद्यार्थी कैशलेस ट्रांजेक्शन के उपयोग से अपने ज्ञान में वृद्धि कर सकेंगे।

## संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. अग्रवाल नीतू (2007) : शैक्षिक सांख्यिकी, राधा प्रकाशन मंदिर, आगरा।
2. अग्निहोत्री, रविन्द्र (2008) : आधुनिक भारतीय शिक्षा समस्याएँ एवं समाधान, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
3. आहूजा, राम (2008) : सामाजिक समस्याएँ, रावत पब्लिकेशन, जयपुर

4. बैस, डॉ. नरेन्द्र सिंह (2006) : शैक्षिक एवं उदीय मान भारतीय समाज, जैन प्रकाशन मंदिर, जयपुर

5. राजस्थान पत्रिका समाचार पत्र 7 जनवरी, 2018

6. भारतीय वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान पत्रिका अभिगमन तिथि जून, 2017

7. इण्डियन जर्नल्स ऑफ मेडिकल रिसर्च, सितम्बर 2014

8. दैनिक समाचार पत्र 11 जनवरी 2048

9. नव समाचार पत्र हरियाणा, दिसम्बर 2016

10. www.bekonomike.com

11. www.sildeshare.net

12. www.financialwing.com

13. https://ebanking-ch.ubs.com